हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्यः रु. - 2/-

वर्षः 1 | अंकः 26 | पृष्ठः 8 | शुक्रवार 05 नवंबर से 11 नवंबर 2021

पीएम मोदी के साथ संवाद के दौरान कोरोना टीके की कमी का मुद्दा उठाएंगे -उद्धव ठाकरे

मुंबईः महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य में कोरोना वायरस के विरुद्ध टीकाकरण की धीमी रफ्तार पर रविवार को चिंता प्रकट की और कहा कि वह अगले सप्ताह प्रधानमंत्री के साथ संवाद के दौरान यह विषय उठायेंगे. ठाकरे ने यह भी कहा कि टीकों की अनुपलब्धता के अलावा टीका लेने में लोगों की हिचक भी एक बड़ा मुद्दा है. मुख्यमंत्री ने लोगों से हिचक छोड़कर टीका लगवाने का आह्वान किया. दक्षिण मुंबई के पॉश मालाबार हिल इलाके में अपने सरकारी आवास वर्षा में वरिष्ठ पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने राजनीति पर किसी भी प्रश्न का उत्तर देने से इनकार कर दिया. इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी रश्मि भी थीं. जब उनसे इस महामारी से निपटने की उनकी सरकार की दीर्घकालिक रणनीति के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, पहले तो हम इस काम पर पूरा ध्यान लगायें कि अधिक से अधिक लोग टीका लें तथा राज्य में चिकित्सा अवसंरचना बढ़े. उन्होंने कहा, लोग बूस्टर डोज की बात कर रहे हैं. पहले हम सुनिश्चित कर लें कि सभी को दोनों खुराक लग जाएं. ठाकरे ने कहा कि ऐसे लोग हैं जिन्होंने पहली खुराक नहीं ली है. उन्होंने कहा कि महामारी की तीसरी (संभावित) लहर का प्रभाव काफी हद तक कम किया जा सकता है यदि लोग कोविड उपयुक्त आचरण करें और जिन्हें दोनों खुराक लग चुकी हैं, वे भी मास्क लगाते रहें. मुख्यमंत्री ने आर्थिक कठिनाइयां पहुंचाये बगैर महामारी के दौरान कुछ खास गतिविधियों को अनुमति देने का सोचा-समझा जोखिम उठाने की भी बात कही. मुख्यमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन नवंबर को उन 40 से अधिक जिलों के जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस कर सकते हैं.

महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री से 12 घंटे तक चली पूछताछ

ED ने अनिल देशमुख को आधी रात को किया गिरफ्तार

मुंबईः प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने सोमवार को देर रात महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख लगातार 12 घंटे तक चली पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया. ये गिरफ्तारी कथित उगाही रैकेट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में हुई है. वहीं अनिल देशमुख के वकील इंदरपाल सिंह ने कहा कि हमने जांच में पूरी तरह सहयोग किया है और ये मामला 4.5 करोड़ का है. हालांकि उन्होंने कहा कि जब अनिल देशमुख को कोर्ट में पेश किया जाएगा, तो वे रिमांड का विरोध करेंगे. इससे पहले महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख सोमवार की दोपहर प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर पहुंचे.

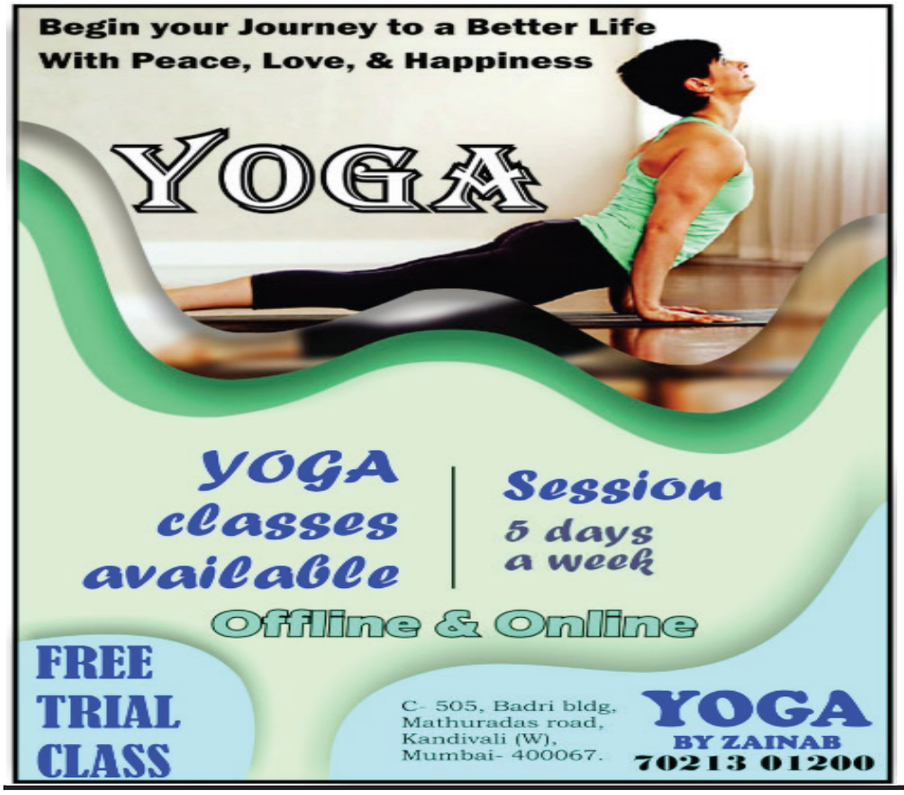

महाराष्ट्र में डीजल और पेट्रोल के दाम हुए कम

मुंबईः दिवाली के मौके पर भले ही केंद्र सरकार ने डीजल और पेट्रोल के दाम में एक्साइज ड्यूटी घटा दी है। जिसके चलते पेट्रोल और डीजल के दामों के क्रमशः पांच और दस रुपये की कमी देखी जा रही है। कई राज्यों ने भी वैट में कटौती की है। जिसके चलते डीजल और पेट्रोल के दामों में काफी गिरावट हुई है। हालांकि महाराष्ट्र सरकार ने इस विषय पर अभी तक कोई भी फैसला नहीं लिया है। महाराष्ट्र सरकार पर खुद कई लाख करोड़ का कर्ज है। ऐसे में देखना होगा की राज्य सरकार अपनी तरफ से डीजल और पेट्रोल के दाम घटाने के लिए कब कदम उठाती है।

केंद्रीय और राज्य जांच एजेंसियों में टकराव

मुंबई स्थित एनसीबी कार्यालय को बनाया जा रहा राजनीति का अखाड़ा

मुंबईः वैसे तो कई राज्यों का केंद्र के साथ टकराव चल रहा है, लेकिन महाराष्ट्र में सामने आ रहे घटनाक्रम चिंता में डालने वाले हैं। ताजा मामला शाह रुख खान के पुत्र आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद शुरू हुआ है। राज्य सरकार के एक मंत्री नवाब मलिक की एनसीबी अधिकारी समीर वानखेड़े पर की गई टीका-टिप्पणी ने अब सियासी रंग लेना शुरू कर दिया है। यह मामला एक अभिनेता पुत्र की नशाखोरी से शुरू हुआ था, जो फिल्म इंडस्ट्री में एक सामान्य बात है। लेकिन नवाब मलिक ने जब इसे अपने दामाद की एनडीपीएस एक्ट में हुई गिरफ्तारी से जोड़कर एनसीबी अधिकारी के जाति प्रमाणपत्र पर ही सवाल उठा दिया तो यह मामला अब जातीय रंग लेने लगा है। अब इसमें राज्य की एक प्रमुख दलित पार्टी रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया (आरपीआइ) के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले के साथ-साथ केंद्रीय अनुसूचित जाति आयोग भी कूद पड़ा है। यह मामला देश की एक बड़ी समस्या युवाओं में बढ़ती नशाखोरी की लत पर काबू पाने से भटक कर सियासी दांवपेच में फंसता दिखाई देने लगा है।

महाराष्ट्र सरकार की ओर से मुंबई पुलिस ने भी एनसीबी अधिकारी समीर वानखेड़े के विरुद्ध कई मामलों में जांच शुरू कर दी है।

जबरन वसूली के मामले में क्राइम ब्रांच की हिरासत में सचिन वाझे

मुंबई। महाराष्ट्र में मुंबई पुलिस के निलंबित अधिकारी सचिन वाजे को अवैध वसूली मामले में सोमवार को कोर्ट लाया गया। क्राइम ब्रांच ने कोर्ट में इस मामले में सचिन की 10 दिन की हिरासत मांगी है। कोर्ट ने मुंबई पुलिस के निलंबित अधिकारी सचिन वाजे को छह नवंबर तक क्राइम ब्रांच की हिरासत में भेजा। गौरतलब है कि 49 वर्षीय सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन वाझे को इस साल मार्च में उद्योगपति मुकेश अंबानी के दक्षिण मुंबई स्थित आवास के पास विस्फोटकों से लदी एक एसयूवी की बरामदगी और ठाणे के व्यवसायी मनसुख की हत्या के मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। गोरेगांव पुलिस थाने में दर्ज रंगदारी मामले की जांच कर रही मुंबई अपराध शाखा ने विशेष अदालत से उसकी हिरासत की मांग करते हुए कहा था कि इस मामले में आगे की जांच जरूरी है। बिल्डर सह होटल व्यवसायी बिमल अग्रवाल की शिकायत पर सचिन वाझे, परम बीर सिंह और अन्य के खिलाफ रंगदारी का मामला दर्ज किया गया है। चार अन्य सुमित सिंह उर्फ चिंटू, अल्पेश पटेल, विनय सिंह उर्फ बबलू और रियाज भाटी को भी मामले में आरोपित बनाया गया है।

मनी लांड्रिंग मामले में गिरफ्तार अनिल देशमुख को मेडिकल चेकअप के लिए अस्पताल ले जाया गया

मुंबईः महाराष्ट्र में मनी लांड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए गए महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को मेडिकल जांच के लिए गुरुवार को यहां सरकारी जेजे अस्पताल ले जाया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि उनकी सेहत स्थिर है। देशमुख फिलहाल ईडी की हिरासत में हैं, जहां उनसे मनी लांड्रिंग मामले में पूछताछ जारी है। अधिकारी ने बताया कि राकांपा नेता को दोपहर करीब 12 बजे ईडी के कार्यालय से बाहर लाया गया और उन्हें दक्षिण मुंबई के अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने कहा कि दोपहर 12.30 से 1.30 बजे के बीच अस्पताल में उनकी नियमित जांच की गई, इसके बाद वह ईडी के कार्यालय में वापस चले गए।मनी लांड्रिंग मामले में देशमुख (71) को ईडी ने सोमवार देर रात 12 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। पूर्व मंत्री ने मामले में ईडी द्वारा जारी किए गए कई समन को छोड़ दिया था, लेकिन बांबे हाई कोर्ट द्वारा पिछले हफ्ते उन्हें रद करने से इन्कार करने के बाद, वह सोमवार को एजेंसी के सामने पेश हुए।ईडी ने अदालत को बताया था कि देशमुख अपराध की आय का

मुख्य लाभार्थी था और सीधे तौर पर मनी लांड्रिंग के अपराध में शामिल था। केंद्रीय एजेंसी ने अपने रिमांड नोट में कहा कि राकांपा पर 100 करोड़ रुपये के संग्रह का आरोप लगाया गया है। ईडी ने अदालत से कहा था कि जांच के लिए देशमुख की हिरासत में पूछताछ समय की जरूरत है, और दोषियों को सजा दिलाने के लिए पूरे पैसे के लेन-देन को स्थापित करने की आवश्यकता है।सीबीआइ ने इस साल 21 अप्रैल को राकांपा नेता के खिलाफ भ्रष्टाचार और आधिकारिक पद के दुरुपयोग के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद देशमुख और उनके सहयोगियों के खिलाफ जांच शुरू की थी। देशमुख ने पहले इन आरोपों का खंडन किया था और कहा था कि एजेंसी का पूरा मामला एक दागी पुलिस वाले (सचिन वाझे) द्वारा दिए गए दुर्भावनापूर्ण बयानों पर आधारित था। ईडी इससे पहले संजीव पलांडे (अतिरिक्त कलेक्टर रैंक के अधिकारी जो देशमुख के निजी सचिव के रूप में काम कर रहे थे) और कुंदन शिंदे (देशमुख के निजी सहायक) को इस मामले में गिरफ्तार कर चुकी है।

अजीत पवार की 1000 करोड़ से ज्यादा की संपत्तियां हुई जब्त

मुंबई। आयकर विभाग ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की 1000 करोड़ मूल्य से ज्यादा की संपत्तियां अस्थायी तौर पर जब्त कर ली हैं। आयकर विभाग द्वारा यह कार्रवाई काफी छानबीन के बाद प्राहिबिशन आफ द बेनामी प्रापर्टी ट्रांजैक्शन्स एक्ट, 1988 के तहत की गई हैं। आयकर विभाग ने कुछ दिनों पहले अजीत पवार एवं उनकी तीन बहनों के घरों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की थी। ये छापेमारी कई दिन तक चली थी।माना जा रहा है कि इन्हीं छापों से मिले सुराग के आधार पर आयकर विभाग ने आज की कार्रवाई की है। विभाग द्वारा जब्त की गई संपत्तियों में सातारा की जरंडेश्वर चीनी मिल की कीमत 600 करोड़, दक्षिण मुंबई स्थित एक फ्लैट की कीमत करीब 20 करोड़ रुपए, नरीमन प्वाइंट के निर्मल टावर स्थित उनके बेटे पार्थ पवार के एक आफिस की कीमत 25 करोड़ रुपए एवं गोवा स्थित एक रिसार्ट की कीमत करीब 250 करोड़ रुपए बताई जा रही है। एक भाजपा नेता का कहना है कि ये संपत्तियां अजीत पवार के पुत्र, उनकी पत्नी, मां, बहनों आदि के नाम पर हैं। बता दें कि कुछ दिनों पहले ही जब आयकर विभाग ने अजीत पवार एवं उनकी बहनों के घरों व प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की थी, तब अजीत पवार ने कहा था कि उनसे जुड़ी सभी कंपनियों एवं प्रतिष्ठानों के आयकर नियमित रूप से भरे जाते हैं। तब उन्होंने यह भी कहा था कि राज्य का वित्तमंत्री होने के नाते उन्हें वित्तीय अनुशासन के बारे में मालूम है। इस छापेमारी के बाद राकांपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अजीत पवार के चाचा शरद पवार ने भी इन छापों का ठीकरा भाजपा पर फोड़ते हुए कहा था कि हम घर पर आनेवाले मेहमानों (आयकर विभाग के अधिकारियों) की चिंता नहीं करते।

नवाब मलिक ने लगाए ड्रग्स रैकेट से संबंध के आरोप तो फडणवीस बोले- मंत्री का अंडरवर्ल्ड से कनेक्शन

मुंबईः नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की ओर से पिछले दिनों क्रूज पर पकड़ी गई ड्रग्स पार्टी के बाद अब इस मामले में सियासी गहमागहमी चल रही है. आर्यन खान जेल से जमानत पर रिहा हुए हैं. उनके केस को लेकर एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े पर आरोप लगाने वाले एनसीपी नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक ने ड्रग्स केस में अब राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री व बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा है.

इस पर फडणवीस ने भी उन पर पलटवार किया है. नवाब मलिक ने देवेंद्र फडणवीस पर आरोप लगाते हुए कहा, ड्रग्स तस्करी मामले में जयदीप राणा नाम का शख्स अभी जेल में है.

महाराष्ट्र के ठाणे में आग लगने के बाद घर ढहने से 40 वर्षीया महिला की मौत

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सोमवार को आग लगने के बाद घर गिरने से 40 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई। घटना दिवा कस्बे के वेताल पाड़ा स्थित पुराने मकान में सुबह करीब साढ़े 11 बजे हुई। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख (आरडीएमसी) प्रमुख संतोष कदम ने कहा कि घर में आग लग गई जिसके बाद ढांचा ढह गया, उन्होंने बताया कि पीड़िता की पहचान सपना विनोद पाटिल के रूप में हुई है और वह मलबे में फंसी हुई मिली। उन्होंने बताया कि सतर्क होने के बाद, आरडीएमसी, ठाणे आपदा प्रतिक्रिया बल (टीडीआरएफ), स्थानीय पुलिस और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और पीड़िता को मलबे से बाहर निकाला। अधिकारी ने बताया कि हम महिला को बचाने का प्रयास करते इससे पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। आग के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। अधिकारी ने बताया कि दाईघर पुलिस ने दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया है।

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक ने एनसीबी अधिकारी समीर वानखेड़े के कपड़ों और जूतों की कीमत बताई

मुंबई। नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) अधिकारी समीर वानखेड़े पर लगातार आरोप लगाते आ रहे राकांपा प्रवक्ता एवं महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक ने समीर के कपड़ों और जूतों की कीमत को लेकर उन्हें कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने समीर की बहन के ड्रग डीलरों से भी संबंध बताने की कोशिश की। नवाब मलिक ने कहा कि समीर वानखेड़े दो लाख रुपए जूते पहने देखे जा सकते हैं। उनकी शर्ट की कीमत 50 हजार एवं टी-शर्ट्स की कीमत 30 हजार तक होती है। वह एक लाख रुपए की पैंट और 20 लाख रुपए की घड़ियां पहनते हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या कोई ईमानदार सरकारी अधिकारी अपने सामान्य वेतन में इतनी महंगी वस्तुएं इस्तेमाल कर सकता है ? क्या एनसीबी के डिप्टी डायरेक्टर ज्ञानेश्वर सिंह भी कभी इतने महंगे कपड़े पहने हुए देखे जाते हैं ? नवाब मलिक के अनुसार यदि यह रहन-सहन किसी ईमानदार अधिकारी का हो सकता है, तो मैं चाहूंगा कि देश का हर अधिकारी ऐसा ही ईमानदार हो। बता दें कि समीर वानखेड़े शाह रुख खान के पुत्र आर्यन खान ड्रग्स मामले में जांच का नेतृत्व कर रहे हैं। यह मामला सामने आने के बाद से ही नवाब मलिक समीर वानखेड़े पर तरह-तरह के आरोप लगाते आ रहे हैं। उनके द्वारा लगाए गए आरोपों एवं आर्यन मामले के एक स्वतंत्र गवाह द्वारा प्रस्तुत एक हलफनामे के आधार पर अब मुंबई पुलिस एवं एनसीबी की विजिलेंस टीम वानखेड़े की जांच कर रही है। नवाब मलिक ने मंगलवार को समीर की वकील बहन यास्मीन वानखेड़े पर उन्हें लेडी डान बताते हुए आरोप लगाया कि ड्रग मामलों में समीर द्वारा पकड़े गए लोगों के केस वह लड़ती हैं। मलिक ने इस संबंध में कुछ वाट्सएप्प चैट्स भी सार्वजनिक किए। जिसका जवाब देते हुए खुद यास्मीन ने कहा कि आप एक ईमानदार अधिकारी पर जिस तरह के आरोप लगा रहे हैं, उससे भविष्य में कोई अधिकारी ठीक से काम करने की हिम्मत नहीं जुटा पाएगा। यास्मीन ने महिलाओं के लिए नवाब मलिक द्वारा उपयोग किए जा रहे शब्दों की भी भर्त्सना की। खुद समीर वानखेड़े ने नवाब के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि मेरे द्वारा पकड़े गए सलमान नामक एक व्यक्ति ने अपना मुकदमा लड़ने के लिए मेरी बहन से संपर्क किया था। चूंकि वह एनडीपीएस एक्ट के मुकदमे नहीं लड़तीं, इसलिए उन्होंने वह मुकदमा लड़ने से साफ मना कर दिया था।

संपादकीय

संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला

कोरोना रोधी टीके की दूसरी खुराक देने पर जोर

राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक कर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कोविड रोधी टीके की दूसरी खुराक देने पर जो जोर दिया, वह समय की मांग है। नि:संदेह सौ करोड़ टीके के लक्ष्य की प्राप्ति एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन इसकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि टीके की दूसरी खुराक लेने वालों की संख्या उतनी नहीं, जितनी होनी चाहिए। जहां पहली खुराक लेने वालों का प्रतिशत 75 से अधिक है, वहीं दूसरी खुराक लेने वाले 32 प्रतिशत के ही आसपास है यह अंतर इसलिए भी चिंतित करने वाला है, क्योंकि ऐसे तथ्य सामने आ रहे हैं कि दूसरी खुराक का समय बीत जाने के बाद भी तमाम लोग उसे लेने नहीं आए। इसका अर्थ है कि जिन लोगों ने टीके की पहली खुराक लेने में दिलचस्पी दिखाई, वे दूसरी खुराक लेने में आनाकानी कर रहे हैं। ऐसा क्यों है, इसका जवाब खोजा जाना चाहिए। इसमें उन राज्य सरकारों और उनके प्रशासन को कहीं अधिक सक्रियता दिखानी होगी, जहां टीकाकरण की रफ्तार धीमी है। अब जब पर्याप्त संख्या में टीके उपलब्ध हैं और टीकाकरण के लाभ भी दिख रहे हैं, तब फिर इसका कोई कारण नहीं कि टीका लगाने का अभियान और अधिक गति न पकड़े।लोगों को न केवल टीके की दूसरी खुराक समय पर लेने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए, बल्कि जिन्होंने एक भी खुराक नहीं ली है, उन्हें भी टीकाकरण की महत्ता समझाई जानी चाहिए। इसमें सरकारों के साथ आम लोगों और खासकर समाज का किसी भी रूप में प्रतिनिधित्व करने वालों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्हें अपनी इस भूमिका का निर्वाह करना ही चाहिए। यह राष्ट्रीय कर्तव्य है। आम लोगों को भी यह समझना होगा कि वे टीके की पहली-दूसरी खुराक लेने में देरी कर अपनी और साथ ही दूसरों की सेहत के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। राज्य सरकारों को चाहिए कि वे उन इलाकों की पहचान कर वहां विशेष अभियान चलाएं, जहां अपेक्षाकृत कम टीकाकरण हुआ है। लोगों को टीका लेने के लिए प्रेरित-प्रोत्साहित करने के साथ ही ऐसे भी कदम उठाए जाने चाहिए, जिससे वे आनाकानी न करने पाएं। वास्तव में यह संदेश दिए जाने की आवश्यकता है कि जो टीका नहीं लगवाएंगे, उन्हें कुछ सुविधाओं और रियायतों से वंचित किया जा सकता है। अब जब करोड़ों लोगों ने टीके लगवा लिए हैं तब फिर इसका कोई औचित्य नहीं कि शेष लोग टीका लगवाने में हिचकिचाएं।

भारत के पास र-400 मिसाइलें होना अमेरिका के लिए भी रहेगा फायदेमंद

भारत ने रूस के साथ र-400 मिसाइलों की 5 रेजिमेंट खरीदने का 5.43 अरब डॉलर का सौदा अक्टूबर 2019 में किया था, क्योंकि भारत की भौगोलिक स्थिति में दुश्मनों से निपटने के लिए इसे जरूरी माना गया. भारत को इन मिसाइलों की सप्लाई इसी साल यानि 2021 के अंत तक शुरू हो जाने की आशा है. दोनों अमेरिकी सांसदों का कहना है कि वे मिसाइलों की इस खरीद को लेकर अमेरिकी प्रशासन की चिंता से वाकिफ हैं, लेकिन नोट करने वाली बात यह है कि भारत और रूस के बीच ऐसे सौदे अब कम होते जा रहे हैं. अब आपको यह भी बता देते हैं कि र-400 मिसाइलें भारत के लिए इतनी जरूरी क्यों हैं. र-400 मिसाइलें जमीन से हवा में निशाना लगा कर प्रतिद्वंद्वी का शिकार करती हैं. इन्हें विशालकाय ट्रकों पर जगह-जगह तैनात किया जाता है और एक जगह से दूसरी जगह आसानी से ले जाया जा सकता है. र-400 मिसाइलें जंगी जहाज, ड्रोन और अन्य वअश, क्रूज मिसाइलों और बैलिस्टिक मिसाइलों से सीमाओं की रक्षा करती हैं. ये रूस द्वारा निर्मित र-200 मिसाइलों और र-300 मिसाइलों का चौथा और ज्यादा मारक वर्जन है. रक्ढफक्क यानि के अनुसार सभी उपलब्ध शी२ में यह अभी दुनिया में सबसे बेहतर वायु प्रतिरक्षा प्रणालियों में से एक है. उपलब्ध जानकारी के अनुसार र-400 मिसाइलों की 20 बटालियन रूस ने साल 2015 तक अपनी सीमाओं पर तैनात कर दी थीं और अंततः उसका इरादा र-400 की 56 बटालियन तैनात करने का है. साल 2019 में रूस ने चीन को र-400 मिसाइलों की 2 रेजिमेंट सप्लाई कीं.

इसी साल रूस ने तुर्की को भी र-400 की पहली खेप मुहैया कराई. अब यह देखते हैं कि चीन और भारत को रूस द्वारा सप्लाई की जा रही र-400 मिसाइलों में कोई फर्क है क्या? चीन के पास र-400 मिसाइलों की जो रेजिमेंट हैं वह एक समय में 144 मिसाइलें फायर कर सकती हैं.

लेकिन टळउफ यानि के अनुसार इस संधि का सदस्य किसी ऐसे देश को यह ऐसी कोई मिसाइल नहीं बेच सकता जो टळउफ का सदस्य न हो. ऐसे देश को बेची जाने वाली मिसाइल की रेंज भी 300 किलोमीटर से कम होनी चाहिए. इसका मतलब है कि रूस चीन को ऐसी मिसाइल ही बेच सकता है जिसकी रेंज 250 किलोमीटर से ज्यादा नहीं हो. यानि चीन के पास जो र-400 मिसाइलें हैं वह 40

भारत MTCR का सदस्य देश भी है, इसलिए इसकी र-400 मिसाइलें 40 से 400 किलोमीटर की दूरी तक मार कर सकती हैं.

से 250 किलोमीटर तक ही मार कर सकती हैं. जबकि भारत के पास जो र-400 मिसाइलों की 5 रेजिमेंट हैं, वे एक समय में 160 मिसाइलें फायर कर सकती हैं. भारत टळउफ का सदस्य देश भी है, इसलिए इसकी र-400 मिसाइलें 40 से 400 किलोमीटर की दूरी तक मार कर सकती हैं. मतलब भारत के र-400 सिस्टम एक समय में चीन के मुकाबले ज्यादा मिसाइलें और ज्यादा दूर तक जाने वाली मिसाइलें दाग सकते हैं. तो साफ है कि भारत के लिए र-400 का सौदा फायदे का है. लेकिन इसके साथ साथ और भी वजह हैं जिनको देखते हुए भारत को अमेरिका के दबाव में

र-400 के सौदे से पीछे नहीं हटना चाहिए. यह जग जाहिर है कि अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए र-400 मिसाइलें भारत के लिए सबसे सही हथियार हैं, अमेरिका के पास भी इनके मुकाबले खड़ा होने वाली कोई मिसाइल नहीं है. इसलिए इस सौदे पर पुनर्विचार भारत के राष्ट्रहित में नहीं है. हालांकि भारत और अमेरिका के बीच प्रतिरक्षा सम्बन्ध पिछले वर्षों में काफी मजबूत हुए हैं, लेकिन अभी भी भारत का 60 फीसद रक्षा साजोसामान रूस से ही सोर्स किया जाता है. अगर भारत र-400 सौदे से पीछे हटता है तो रूस भारत के पास पड़े रूसी रक्षा साजोसामान के लिए स्पेयर पार्ट्स देने में आनाकानी या देरी कर सकता है. ये प्रतिरक्षा तैयारी के लिए घातक हो सकता है. यही नहीं, रूस ऐसे हथियार पाकिस्तान को देने का प्रस्ताव भी कर सकता है. यह भी भारत के हित में नहीं होगा. हाल के दिनों में इंडो पैसिफिक क्षेत्र में दवअऊ समूह में भारत की भूमिका की भी काफी चर्चा हो रही है. इस इलाके में अमेरिका के बाद भारत की सैन्य शक्ति सबसे ज्यादा है. यह बात अमेरिका भी समझता है. तो अगर अमेरिका चीन को इंडो पैसिफिक में काबू करना चाहता है तो उसे भारत के राष्ट्रीय हितों का भी ध्यान रखना पड़ेगा.

अगर अमेरिका भारत को उअअळरअ लागू करने की धमकी देता है वह एक भरोसा करने सकने वाले मित्र देश का विश्वास खो देगा

उत्तर प्रदेश में दीपावली के बाद बड़े पैमाने पर होंगी सरकारी नौकरी में भर्तियां- योगी आदित्यनाथ

लखनऊः उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार साढ़े चार वर्ष के कार्यकाल में साढ़े चार लाख सरकारी नौकरी देने के बाद अब और आगे कदम बढ़ा रही है। दीपावाली के बाद प्रदेश सरकार कई विभागों में खाली पड़े पदों को भरने के साथ ही नई नियुक्तियां भी करेगी।

योगी आदित्यनाथ सरकार अब विधानसभा चुनाव 2022 से पहले मिशन रोजगार को और विस्तार देगी। समूह ह्यगह्ल की भर्तियों के लिए पिछले माह प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) का रिजल्ट घोषित करने के बाद उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग अब स्वास्थ्य कार्यकताओं के 9212, राजस्व लेखपालों के 7882 रिक्त पदों समेत लगभग 23 हजार पदों पर भर्तियों के लिए मुख्य परीक्षाएं आयोजित करेगा। इसके साथ ही लेखपाल भर्ती के लिए राजस्व परिषद ने मंडलवार रिक्त पदों का ब्योरा भी मांगा है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग पीईटी के रिजल्ट के आधार पर ही मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों को शार्टलिस्ट करेगा। पीईटी का स्कोर एक वर्ष के लिए मान्य है, इसलिए आयोग की कोशिश है कि वह ज्यादा से ज्यादा भर्तियां करे। इस उद्देश्य से आयोग दिसंबर से प्रत्येक माह दो मुख्य परीक्षाएं आयोजित करने की योजना पर काम कर रहा है। स्वास्थ्य कार्यकताओं की भर्ती के लिए आयोग दीपावली के बाद नवंबर में विज्ञापन निकाल कर दिसंबर में मुख्य परीक्षा आयोजित करने की तैयारी कर रहा है। आयोग राजस्व लेखपालों के तकरीबन 8000 रिक्त पदों पर भी भर्ती के लिए मुख्य परीक्षा आयोजित करने की तैयारी भी कर रहा है। हालांकि, अभी इसमें पेच है। राजस्व लेखपालों के 7882 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए राजस्व परिषद ने आयोग को पहले से जो प्रस्ताव भेज रखा है, उसमें चयन के लिए ट्रिपल सी सर्टिफिकेट को भी अनिवार्य किया गया है। वहीं लेखपालों की सेवा नियमावली में अभी तक ट्रिपल सी सर्टिफिकेट को अनिवार्य शैक्षिक योग्यता में शामिल नहीं किया गया है.

बिहार में शराब से मौतों पर खूब गरजे - तेजस्वी यादव

पटना। राज्य में शराब पीने से लोगों की मौत पर नेता प्रतिपक्ष व पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ट्वीट कर लगातार सरकार पर हमला बोल रहे हैं। उन्होंने हाल में चार जिलों में हुई मौतों के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दोषी ठहराया है, क्योंकि गृह मंत्रालय भी सीएम के पास है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर शराब बंटवाने जैसा गंभीर आरोप भी लगाया है। साथ ही बिहार में शराबबंदी को पूरी तरह विफल बताया है। मालूम हो कि बिहार उप चुनाव में दोनों सीट (कुशेश्वरस्थान और तारापुर) हारने के बाद तेजस्वी यादव बुधवार की रात पिता लालू प्रसाद यादव और माता राबड़ी देवी के साथ दिल्ली चले गए।

राजद (राष्ट्रीय जनता दल) के विधायक व नेता प्रतिपक्ष ने गुरुवार को एक ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि मुजफ्फरपुर में पांच दिन पहले जहरीली शराब पीने से 10 लोगों की मौत हो गई। बुधवार और गुरुवार मिलाकर गोपालगंज में 20 लोग मरे। बेतिया में भी गुरुवार को 13 लोग शराब पीने से मर गए। तेजस्वी ने पुलिस-प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस ने पोस्टमार्टम कराए बिना अधिकांश शवों को जला दिया और मुख्यमंत्री सह गृह मंत्री नीतीश कुमार खोखली शराबबंदी का ढोल पीट रहे हैं।राजद नेता तेजस्वी यादव ने मौतों का आंकड़ा देने से पहले शराब को लेकर एक और ट्वीट किया। इसमें उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उप चुनाव के दौरान सीएम के शह पर जदयू (जनता दल यूनाइटेड) के नेताओं व पुलिस प्रशासन ने मतदाताओं के बीच शराब बंटवाई है।

भदोही के गोपीगंज बाजार में शार्ट सर्किट से टीन शेड में आग लगने से चार की मौत

भदोही। गोपीगंज नगर के चुड़िहारी मोहाल में बुधवार की आधी रात शार्ट सर्किट से लगी आग में दादा मोहम्मद असलम (65) और दादी शकीला (62) जहां जिंदा जल गए तो वहीं पोती तस्किया (10), अलवीरा (12) और रौनक (20) झुलस गईं। चीख-पुकार सुनकर पहुंचे स्वजनों ने विद्युत कनेक्शन काटकर आपूर्ति बंद की। देखते ही देखते मोहल्ले के लोगों की भीड़ लग गई। किसी तरह आग पर काबू कर झुलसे लोगों को अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने तस्कीया और अलवीरा को मृत घोषित कर दिया जबकि रौनक खतरे से बाहर बताई जा रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया घटना के बारे में बताया जाता है कि चुड़िहारी मोहाल निवासी मोहम्मद असलम 65 वर्ष उनकी पत्न ी शकीला सिद्दीकी62 वर्ष, पोती तश्किया 10 वर्ष पुत्री तस्लीम तथा अलवीरा 12 वर्ष पुत्री शराफत व रौनक 20 वर्ष पुत्री रईस घर के तीसरे तल पर स्थित टिन सेड में गहरी नींद मे थे । इसदौरान देर रात टिन शेड में विद्युत करंट के शार्ट सर्किट से भीषण आग लग गई जिसकी चपेट में आने से शकीला चुड़िहार तथा मोहम्मद असलम की जहां मौके पर ही मौत हो गई वही सभी झुलसे हुए लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां तश्किया 10 वर्ष पुत्री तस्लीम, अलवीरा 12 वर्ष पुत्री शराफत तथा रौनक 20 वर्ष पुत्री रईस गम्भीर रुप से झुलस गई। तीनों को ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया जहां उपचार के दौरान तश्किया की भी मौत हो गई। इलाज के दौरान कुछ देर बाद अलवीरा की भी मौत हो गई। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लगी आग में घर गृहस्थी के समस्त सामान जलकर राख हो गए हैं घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक डाक्टर अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर अशोक कुमार सिंह,प्रभारी निरीक्षक अभिनव वर्मा और बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। वही परिजनों के मुताबिक दमकल कर्मियों को सूचना दिया गया था .

बिहार सरकार का पेट्रोल-डीजल की घटी कीमतों वाला दीपावली गिफ्ट

पटना। मैराथन मंथन के बाद आखिर केंद्र सरकार ने अवाम की आवाज सुन ली है। बुधवार देर रात एक्साइज ड्यूटी में कटौती की गयी। इसके तुरंत बाद बिहार सरकार की ओर से पेट्रोल व डीजल पर लगने वाले वैट में कमी करने में भी देरी नहीं की गई। केंद्र और बिहार सरकार की ओर से राहत मिलने के बाद डीजल 11.93 रुपये और पेट्रोल की कीमत 6.35 रुपये कम हो गई है। चार नवंबर से डीजल की कीमत 93.14 रुपये और पेट्रोल की कीमत 107.44 रुपये पर आ गयी है। यह बिहार की नीतीश सरकार द्वारा जनता को दीपावली गिफ्ट है। डीजल की कीमत 105. 07 रुपये लीटर पर थी जो 11.93 रुपये की कटौती के बाद 93.14 रुपये पर आ गई है। इसी तरह से पेट्रोल की कीमत 113.79 रुपये पर थी जो 6.35 रुपये प्रति लीटर घटकर 107.44 रुपये पर आ गई है।

कविता

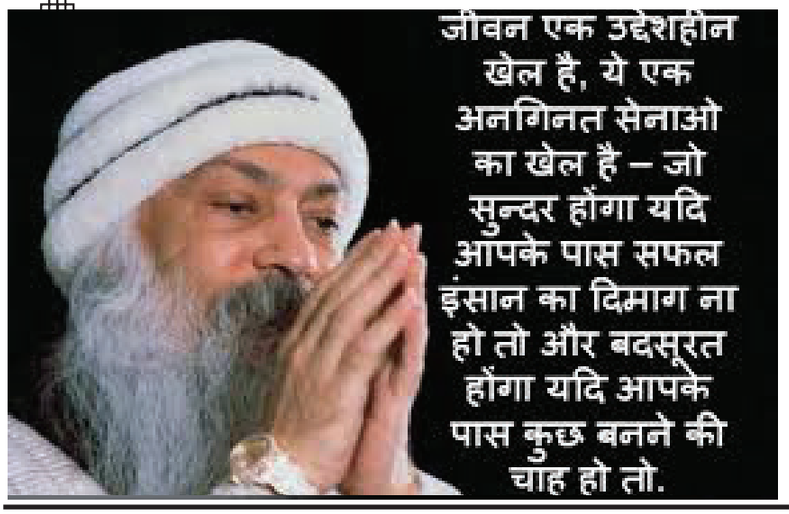

कहै कबीर दीवाना-ओशो

शरीर-शास्त्री चिंतित रहे हैं, यह कैसे घटित होता है? अगर स्त्री-पुरुष के ही ऊर्जा से निर्माण हुआ है, तो सदा घटना एक सी ही घटनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं होता। मनोवैज्ञानिक एक अनूठी बात पर पहुंचे हैं और वह यह है, कि अगर स्त्री पुरुष को ठीक से प्रेम करती हो, पूर्ण प्रेम करती हो, तो ही उसके बच्चों में पति की छवि झलकेगी। क्योंकि वह छवि उसमें लीन हो जाती है। यह उसके रोएं-रोएं में समा जाती है। अगर स्त्री अपने को ही प्रेम करती हो, पति को प्रेम नहीं करती हो, और पति एक नौकर-चाकर हो, तो स्त्री की स्वयं की छवि ही उसमें प्रवेश होगी। और यह भी हो सकता है कि स्त्री, पत्नी तो किसी और की हो, बच्चा किसी और से ही पैदा हुआ हो, लेकिन भाव किसी और पुरुष का मन में हो, तो उस पुरुष की छवि भी उस बच्चे में प्रवेश कर जाएगी।क्योंकि छवि तो मन में झलकती है। मन के दर्पण पर बनी हुई छाया है। अगर एक स्त्री किसी व्यक्ति को प्रेम करती है और बच्चा किसी और से पैदा होता है, **जारी....**

आंवला पाउडर का इन 9 तरीकों से करें इस्तेमाल

आंवले के अंदर भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है जो त्वचा को कई समस्याओं से दूर करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा आंवला एंटीऑक्सीडेंट तत्वों का भी मुख्य स्रोत है। जो व्यक्ति को त्वचा और बालों की कई समस्याओं से छुटकारा दिला सकता है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि आंवला पाउडर का इस्तेमाल कैसे करें। आज का हमारा लेख इसी विषय पर है। आज हम आपको अपनी इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि आप आंवला पाउडर का इस्तेमाल त्वचा को बेदाग बनाने के लिए किस प्रकार कर सकते हैं। साथ ही आंवला पाउडर के अनेय फायदे के बारे में जानेंगे। इसके लिए हमने श्री राम सिंह हॉस्पिटल एंड हार्ट इंस्टीट्यूट नई दिल्ली के कंसल्टेंट डमेटोलॉजिस्ट और डायरेक्टर ऑफ स्किन लेजर सेंटर नोएडा डॉक्टर टी.ए राणा इस पेस्ट को बनाने के लिए हमारे पास आंवले का पाउडर दूध और लाल मसूर दाल का होना बेहद जरूरी है। अब रात को दूध में लाल मसूर दाल भिगोएं और अगले दिन जब दाल फूल जाए तो उसमें आंवला का पाउडर डालें और एक पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को चेहरे पर 10 से 15 मिनट के लिए लगाएं। 15

मिनट बाद चेहरे को साधारण पानी से धो लें। ऐसा करने से न केवल त्वचा में कुदरती निखार आएगा बल्कि त्वचा खिली-खिली नजर आएगी । 2 - हल्दी और आंवले का पाउडर इस पेस्ट को बनाने के लिए आपके पास आंवले का पाउडर और हल्दी होनी जरूरी है। अब आप एक चम्मच आंवला पाउडर में एक चुटकी हल्दी मिलाएं और पानी के माध्यम से एक पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को थोड़ी देर के लिए ऐसे ढक कर दें। बने मिश्रण को 10 से 15 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद चेहरे को साधारण पानी से धो लें। ऐसा करने से व्यक्ति को त्वचा की कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। 3 आंवला पाउडर और पारस्ले का रस इस पेस्ट को बनाने के लिए आपके पास आंवले पाउडर के साथ-साथ पारस्ले के रस का होना भी जरूरी है। अब आप एक कटोरी में पार्सले के रस में आंवले के पाउडर को मिलाएं। अब बने मिश्रण को चेहरे पर 10 से 15 मिनट के लिए लगाएं। 15 मिनट बाद मिश्रण को गुनगुने पानी से धो लें। ऐसा करने से त्वचा खिली-खिली और बेदाग नजर आ सकती हैं।

दिवाली पर एकता कपूर के घर हुई शानदार पार्टी, सलमान से लेकर हिना खान तक ये सेलिब्रिटी हुए शामिल

कोई त्यौहार हो सेलिब्रिटी जश्न मनाने से पीछे रह जाएं ऐसा तो हो ही नहीं सकता। सोशल मीडिया पर आज सितारों की दिवाली सेलिब्रेशन की तस्वीरें छाई हुई हैं जिनमें सेलेब्स अलग-अलग तरह से दिवाली सेलिब्रेट कर रहे हैं। कोई अपने दोस्तों के साथ ये त्यौहार मना रहा है तो को परिवार के साथ। इस खास दिन पर टीवी की दुनिया क्वीन और फेमस निर्देशक एकता

कपूर ने भी अपने घर दिवाली पार्टी रखी जिसमें फिल्म एक्टर सलमान खान से लेकर टीवी एक्ट्रेस हिना खान तक तमाम सेलेब्स शामिल हुए। एकता की पार्टी फोटोज सोशल मीडिया पर जबरदस्त वायरल हो रही हैं जिनमें टीवी अभिनेत्रियां बला की खूबसूरत और एक्टर हैंडसम बनकर पहुंचे हुए हैं। हालांकि पार्टी की इनसाइड फोटो अब तक सामने नहीं आई हैं। फेमस फोटोग्राफर विरल भयानी ने एकता की पार्टी में शिरकत करने जाते हुए सितारों की फोटोज और वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। एकता की पार्टी में हिना खान डिप नेक ब्लू ब्लाउज के साथ ब्लू कलर का लहंगा पहनकर पहुंची थीं। हिना की काफी फोटोज सामने आई हैं जिनमें वो खूबसूरत लग रही हैं। वहीं मौनी रॉय पिंक तो क्रिस्टल डिसूजा ब्लैक एंड व्हाइट कलर का लहंग पहनाकर एकता की पार्टी में पहुंची थीं। एकता कपूर की दिवाली पार्टी में सलमान खान ने भी शिरकत की।

स्काटलैंड के खिलाफ बड़ी जीत के लिए टीम इंडिया को क्या करना चाहिए, गावस्कर ने दिया सुझाव

प्रगतिशील संयुक्त अरब अमीरात में दीवाली की आतिशबाजी से उम्मीद है कि भारतीय क्रिकेट टीम की भूख और बढ़ जाएगी, जो सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी कोशिशें जारी रखे हुए है। टीम इंडिया ने इस टूर्नामेंट में तीन कड़े मुकाबले खेल लिए हैं। खेल के इस प्रारूप में किसी भी टीम को हराना आसान नहीं है।हालांकि ऐसे में जबकि अन्य टीमों की तुलना में स्काटलैंड और नामीबिया की टीमें कम अनुभवी हैं तो इन पर दबाव डाला जा सकता है। टीम चयन बेहद अहम रहेगा क्योंकि स्काटलैंड के खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय स्पिन गेंदबाजी खेलने को नहीं मिलती है। ऐसे में इस टीम के खिलाफ तीन स्पिनरों को खिलाने का विचार बुरा नहीं है। इनमें से एक लेग स्पिनर होना चाहिए। लेग स्पिनर न केवल दुर्लभ होते हैं, बल्कि हवा में उनकी गेंदें धीमी होती हैं और इससे बल्लेबाजों के लिए उनके खिलाफ पिच से गति हासिल करना मुश्किल होता है।जब भी गेंद बल्लेबाज की आंखों के ऊपर से आती है तो अच्छे से अच्छे बल्लेबाज को भी लेंथ भांपने में कुछ वक्त लगता है। वो इसलिए क्योंकि ऐसी गेंदों को खेलते वक्त बल्लेबाज का सिर हल्का सा हिलता है और स्थिर नहीं रह पाता। यही वजह है कि एक अच्छा लेग स्पिनर डाट बाल के साथ विकेट लेने की काबिलियत रखता है जो इस प्रारूप में बेशकीमती बात है।भारतीय बल्लेबाजों को एक और काम करना होगा। उन्हें हर तरह की झिझक से बाहर निकलना होगा। जीत का बड़ा अंतर नेट रन रेट को सुधारता है और पाकिस्तान व न्यूजीलैंड से मिली बड़ी हार के बाद भारतीय टीम के नेट रन रेट को काफी नुकसान पहुंचा है। इसलिए भारत को जरूरत बड़ी जीत की है। भले ही भारतीय टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करे या नहीं, उन्हें इसके लिए अपनी ओर से पूरी कोशिश करते हुए नजर आना चाहिए। ये कोशिश हार की निराशा से निकलने का एकमात्र तरीका है। ये एक खेल है जहां किसी भी चीज की गारंटी नहीं है। लेकिन ऐसा प्रदर्शन करते हुए हारती टीम इंडिया को देखना उसके प्रशंसकों को सबसे ज्यादा दुख पहुंचाने वाली बात है। उन प्रशंसकों के लिए जो अपने नायकों को निराशाजनक समय में भी अपना सबकुछ झोंकते हुए देखना चाहते हैं

रोहित शर्मा और केएल राहुल ने धमाकेदार बल्लेबाजी से छोड़ा सबको पीछे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने आइसीसी टी20 विश्व कप में शानदार शुरूआत की। ओपनर रोहित शर्मा और केएल राहुल ने दमदार बल्लेबाजी करते हुए शतकीय साझेदारी कर टीम के बड़े स्कोर की नींव तैयारी की। दोनों ने टी20 क्रिकेट में चौथी बार टीम इंडिया को 100 रन के पार पहुंचाया और एक खास उपलब्धि हासिल कर ली। भारतीय टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ टास हारकर बुधवार 3 नवंबर को पहले बल्लेबाजी की। रोहित और राहुल ने टीम इंडिया के लिए दमदार शुरूआत की। दोनों ओपनर ने मिलकर इस अहम मुकाबले में पावरप्ले में 85 रन जोड़ डाले। ये जोड़ी यहीं नहीं रूकी टीम के लिए चौथी बार टी20 में शतकीय साझेदारी कर डाली।टी20 इंटरनेशनल में शतकीय साझेदारी करने के मामले में रोहित और राहुल की जोड़ी अब संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। पहले स्थान पर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम और रिजवान हैं। दोनों ने अब तक 5 बार यह कमाल किया है। दूसरे स्थान पर रोहित और राहुल की जोड़ी पहुंची है जिसके नाम 4 बार शतकीय साझेदारी करने का रिकार्ड है। रोहित और शिखर धवन की जोड़ी के नाम भी 4 बार ऐसा करने का रिकार्ड है।टी20 में सबसे बड़ी भारतीय ओपनिंग साझेदारी का रिकार्ड रोहित शर्मा और शिखर धवन की जोड़ी के नाम दर्ज है। दोनों ने डरबन में पहले विकेट के लिए 160 रन बनाए थे। अब दूसरे स्थान पर रोहित अपने जोड़ीदार राहुल के साथ आ गए हैं। अबु धाबी में दोनों ने भारत के लिए 140 रन की साझेदारी निभाई। इससे पहले डरबन में वीरेंद्र सहवाग और गौतम गंभीर ने 136 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की थी।

रोहित शर्मा ने बना डाला सबसे बड़ा रिकार्ड

ICC इवेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के ओपनर बल्लेबाज रोहित शर्मा टी20 वर्ल्ड कप 2021 में पाकिस्तान व न्यूजीलैंड के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाए, लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ उन्होंने सारी कसर पूरी कर दी। अफगानिस्तान के खिलाफ रोहित शर्मा ने 47 गेंदों पर 3 छक्के व 8 चौकों की मदद से 74 रन की पारी खेली। उन्होंने भारतीय टीम को बेहद मजबूत शुरूआत देते हुए अपने साथी ओपनर बल्लेबाज केएल राहुल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 140 रन की शतकीय साझेदारी की। रोहित शर्मा अपनी इस पारी के दम पर आइसीसी इवेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए। अफगानिस्तान के खिलाफ अपनी 74 रन की पारी के दम पर रोहित शर्मा ने एक नया वर्ल्ड रिकार्ड अपने नाम कर लिया। रोहित शर्मा अब आइसीसी इवेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बन गए। रोहित शर्मा ने आइसीसी

इवेंट यानी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप, वनडे वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्राफी और टी20 वर्ल्ड कप को मिलाकर अब तक कुल 3682 रन बनाए हैं। वहीं उन्होंने जो रूट को पीछे छोड़ दिया जिनके नाम पर आइसीसी इवेंट में अब तक कुल 3662 रन दर्ज हैं। तीसरे नंबर पर इस मामले में 3554 रन के साथ विराट कोहली मौजूद हैं। रोहित शर्मा ने जहां एक तरफ 74 रन की पारी खेली तो वहीं केएल राहुल ने 48 गेंदों पर 2 छक्के व 6 चौकों की मदद से 69 रन की उपयोगी पारी खेली। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी की। ळ20क में भारत के लिए विदेशी धरती पर ये दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी साबित हुई।

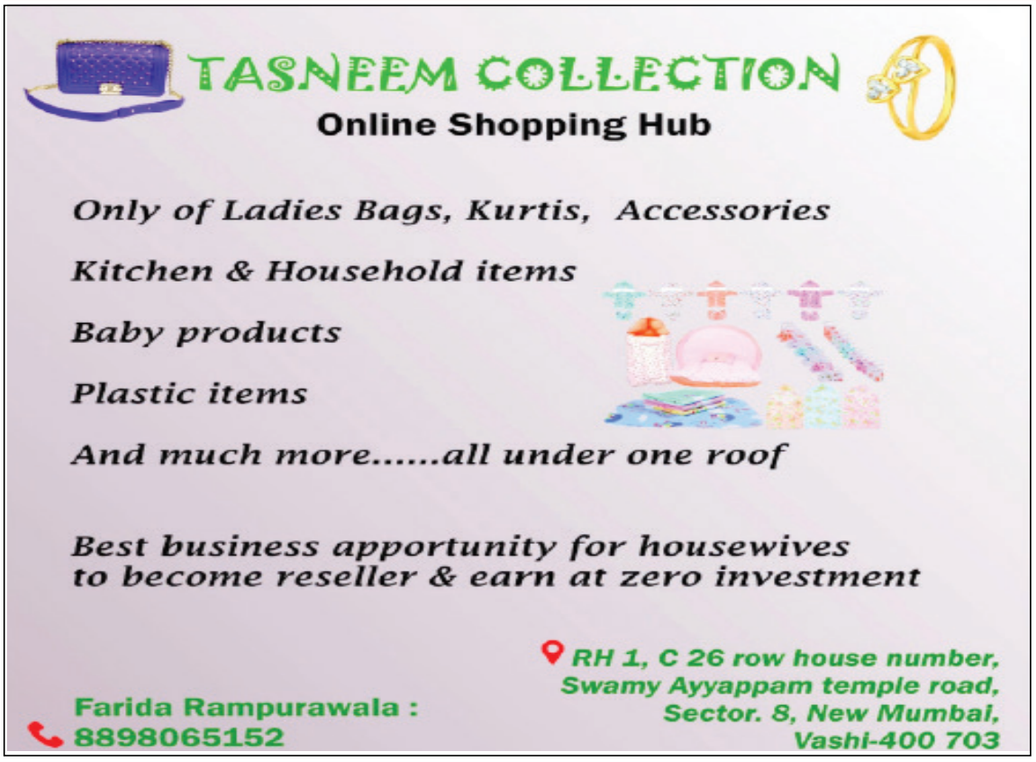

कोरोना पाबंदी में राहत, वैक्सीन की दोनों डोज ले चुके यात्री कर सकेंगे लोकल ट्रेन का सफर

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार (ने मुंबई लोकल ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत दी है. महाराष्ट्र सरकार ने वैक्सीन की दोनों डोज लेने के बाद 15 दिन पूरा कर चुके लोगों को लोकल का डेली टिकट देने का आदेश जारी किया है. बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने 1 नवंबर से वैक्सीन की दोनों डोज ले चुके यात्रियों को मुंबई लोकल में सफर करने की इजाजत दी है. रेलवे को पिछले काफी समय से हो रहे नुकसान और यात्रियों की ओर से लगातार सफर में छूट देने की मांग को देखते हुए ये फैसला लिया गया है. अब तक वैक्सीन की डबल डोज ले चुके लोगों को सिर्फ सीजन पास जारी किया जा रहा था. जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र में कोरोना के मामले एक बार फिर बढ़ते दिखाई दे रहे हैं.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवालाा के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक : मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल : newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net